हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 1 नवंबर 2026

13 आज रोहतक पदयात्रा में देंगे कांग्रेस के दुष्प्रचार का



14 प्राथमिक स्कूलों में खेलों की अनदेखी 8676 स्कूलों



खबर संक्षेप

1 किलो 300 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। एंटी नारकोटिक सेल ने एक युवक को एक किलो 300 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अमनदीप उर्फ कानू पुत्र चिरंजीलाल निवासी अशोक नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने गश्त के दौरान बस अड्डे के परस से तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से बरामद प्लास्टिक के कट्टे से 1 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

हेरोइन बरामदगी में मुख्य सप्लायर महिला गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने हेरोइन बरामदगी के मामले में कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए मुख्य सप्लायर महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई आरोपी की पहचान सुमित्रा पत्नी बग्गा सिंह निवासी गांव नन्हेड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल में भेज दिया गया है।

पानी की मोटर चोरी मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। निर्माणाधीन मकान से पानी की मोटर चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बंटी खटाना पुत्र रामस्वरूप निवासी चार मरला कॉलोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। चोरो में गत 12 सितंबर को पानी की मोटर चोरी की थी। इस मामले में पुलिस ने कडियों को जोड़ते हुए चौथे आरोपी बंटी खटाना को भी धर दबोचा है।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 5,824.88 एकड़ में नुकसान का दावा

ओलावृष्टि से खराब हुई फसल मुआवजे के लिए 1,396 आवेदन

रतिया में 1,017 किसानों ने 4,221.498 एकड़ में फसल खराब होने की जानकारी दर्ज कराई

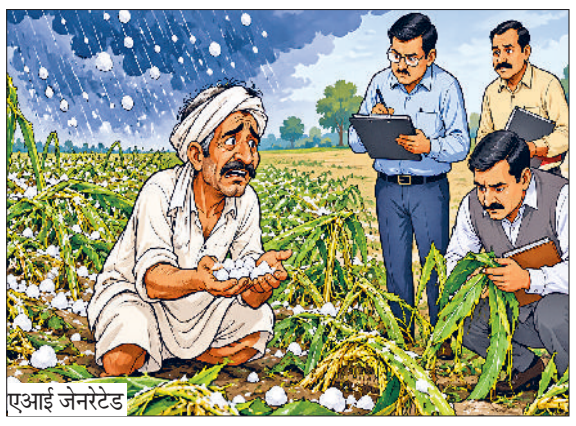
हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पिछले दिनों बारिश और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों के मुआवजे के लिए जिले के फतेहाबाद व रतिया खंड के 1396 किसानों ने आवेदन किया है। अभी तक कुल 19 गांवों के 5824.88 एकड़ में फसल खराब होने का दावा किया गया है। ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल दो नवंबर तक खुला रहेगा। इसके बाद आवेदनकर्ता किसानों के दावों का गांव में जाकर पटवारी से लेकर डीसी तक सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही मुआवजे की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। बता दें कि शुक्रवार दोपहर बाद पोर्टल बंद हो गया था। पोर्टल में तकनीकी खराबी के कारण 'ऐरर 500' शो कर रहा था, जिसका मतलब पोर्टल मुरम्मत मांग रहा है लेकिन शनिवार को पोर्टल चल पड़ा।

विभाग की तहसीलवार रिपोर्ट के अनुसार, रतिया तहसील में 14 गांवों के 1,017 किसानों ने 4,221.498 एकड़ क्षेत्र में फसल खराब होने की जानकारी दर्ज कराई है। वहीं, फतेहाबाद तहसील में 5 गांवों के 379 किसानों ने 1,603.382 एकड़ क्षेत्र में नुकसान का दावा किया है। इस तरह कुल 19 गांवों के किसानों ने 5,824.88 एकड़ में फसल खराब होने के दावे दर्ज कराए हैं। रतिया तहसील में प्रभावित क्षेत्र और आवेदन करने वाले किसानों की संख्या फतेहाबाद तहसील से अधिक है।

पटवारी से डीसी तक सत्यापन लंबित

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट में पटवारी, कानूनगो और सीआरओ स्तर पर 5,824.88 एकड़ का सत्यापन किया जाएगा। उसके बाद एसडीएम और डीसी द्वारा सत्यापन किया जाएगा, अंत में डीआरओ की रिपोर्ट के बाद इसे सरकार को भेजा जाएगा। सरकार द्वारा मुआवजे की स्वीकृति मिलते ही इसे प्रभावित किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। फसल नुकसान के दावों पर मुआवजे की प्रक्रिया आगे बढऩे के लिए पहले दर्ज नुकसान का सत्यापन जरूरी है। इसके बाद नियमानुसार संबंधित अधिकारियों के स्तर पर कार्रवाई होगी।



एआई जेनरेटेड

24 को ओलावृष्टि से 19 गांवों में फसलें हुई थी खराब

बता दें कि 24 अक्टूबर को जिले में हुई बारिश और ओलावृष्टि से खरीफ-2026 की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद से किसान संगठन लगातार विशेष गिरदावरी व मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। किसान संगठनों ने 3 नवंबर को मुआवजे की मांग को लेकर डीसी कार्यालय के घेराव की भी घोषणा कर रखी है। किसानों के आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने प्रभावित गांवों के लिए पोर्टल खोलने की सिफारिश सरकार को भेजी थी। उपायुक्त फतेहाबाद ने 27 अक्टूबर को सरकार को पत्र लिखकर प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के लिए क्लेम दर्ज कराने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद सरकार ने निर्धारित गांवों के लिए पोर्टल खोलने के निर्देश दिए। ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर फतेहाबाद तहसील के भट्टू खुर्द, बहबलपुर, थेड़ी, नागपुरे और भड़ोलांवाली गांव शामिल हैं। वहीं, रतिया तहसील के रतिया ग्रामीण, कमाना, नथवान, तेलीवाड़ा, लाली, भरपूर, कवलगढ़, घासवा, हडोली, दादूपुर, जल्लोपुर और अलालवास और टोहाना तहसील के रत्ताखेड़ा गांव के किसान भी अपने फसल नुकसान के दावे दर्ज करवा सकते हैं।

दिवाली से पहले खाद्य पदार्थों की शुद्धता जांचने उतरी विभागीय टीम

- रतिया में डेयरी व मिठाई की दुकानों से 12 सैंपल भरे

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ गई है। त्योहार के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने और आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में विभागीय अधिकारी रवि कुमार के नेतृत्व में रतिया में विभिन्न डेयरी और मिठाई की दुकानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के कुल 12 सैंपल लिए गए।



रतिया। खाद्य पदार्थों के सैम्पल लेते अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

कार्रवाई से दुकानदारों में बढ़ी सतर्कता

दिवाली के अवसर पर मिठाइयों की बिक्री में तेजी आने के साथ ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में विभाग की ओर से दुकानों और डेयरी प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जा रहे हैं, ताकि उनकी गुणवत्ता की जांच की जा सके। विशेष रूप से खोया, पनीर, घी और दूध से तैयार होने वाली मिठाइयों की शुद्धता सुनिश्चित करना इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभागीय टीम की ओर से लिए गए सभी 12 सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें किसी प्रकार की मिलावट होने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। विभाग की इस कार्रवाई से खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वाले दुकानदारों में भी सतर्कता बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर बुजुर्ग से लाखों की ठगी, आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सोशल मीडिया पर दोस्ती की आड़ में साइबर ठगी करने वाले शातिर ठगों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फेसबुक पर विदेशी महिला के नाम से दोस्ती कर गांव भादड़ा निवासी एक रिटायर्ड बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाया और विदेश से गिफ्ट भेजने का झांसा देकर 3 लाख 93 हजार 700 रुपये की चपत लगा दी। पुलिस ने आरोपी अमित कुमार को गिरफ्तार कर अदालत से दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। प



साइबर ठगी का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

मामले में गांव भादड़ा, तहसील कालांवाली निवासी एक रिटायर्ड बुजुर्ग ने शिकायत देकर बताया था कि फेसबुक पर उसकी दोस्ती जेनी विलो नाम की महिला से हुई थी। कुछ समय बातचीत करने के बाद कथित महिला ने विदेश से गिफ्ट भेजने की बात कही।

ऑनलाइन ठगी मामला पांचवा आरोपी चढ़े हत्थे

फतेहाबाद। साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद पुलिस ने 50 हजार 661 रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान साहित्य कसनिया पुत्र अनिल कुमार निवासी बालसमंद, जिला हिसार के रूप में हुई है। साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि गांव रूपावाली निवासी एक युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अज्ञात साइबर ठगों ने धोखाधड़ी कर उसके बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 50 हजार 661 रुपये निकाल लिए हैं।



कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना और शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती।

तीन साल से ज्यादा का निवेश क्षितिज होने पर उभरता है फायदा

बाजार की गिरावट में भी टिके कॉन्ट्रा फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न संभव

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पांच साल में मिल सकता है बेहतर प्रदर्शन; धैर्य की परीक्षा भी



शेयर बाजार में गिरावट के दौर में निवेशकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ज्यादातर निवेशक ऐसे समय में सुरक्षित विकल्प तलाशने लगते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक बाजार की कमजोरी में भविष्य के अवसर भी खोजते हैं। म्यूचुअल फंड की कॉन्ट्रा श्रेणी इसी सोच पर काम करती है। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने की कोशिश करते हैं, जिन्हें फिलहाल बाजार में पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा है, लेकिन जिनकी कारोबारी संभावनाएं लंबी अवधि में बेहतर हो सकती हैं। हालिया प्रदर्शन के आंकड़े संकेत देते हैं कि बाजार की मौजूदा कमजोरी के बीच कॉन्ट्रा फंड ने कुछ मजबूती दिखाई है। हालांकि, इस रणनीति का लाभ तुरंत मिलने की गारंटी नहीं है। इसमें निवेशकों को लंबा नजरिया और उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता रखनी पड़ती है।

क्या होते हैं कॉन्ट्रा फंड?

कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना व शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती। यदि कंपनी का कारोबार सुधरता है और निवेशकों का भरोसा लौटता है, तो उसके शेयर की कीमत में सुधार हो सकता है। इसे बाजार में मूल्य के सामान्य स्तर पर लौटने की प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है। हालांकि, यदि कंपनी की मुश्किलें स्थायी हैं, तो कम कीमत पर खरीदा गया शेयर भी नुकसान दे सकता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **अवधि:** कम से कम तीन से पांच साल का नजरिया रखें। यह अवधि भी लाभ की गारंटी नहीं है।
- **जोखिम :** बाजार में लंबी गिरावट और कमजोर प्रदर्शन सहने की तैयारी होनी - चाहिए।
- **विविधीकरण:** पूरी रकम एक ही श्रेणी में लगाने से बचें।
- **तुलना का तरीका:** फंड के प्रदर्शन की तुलना उसके समकक्ष फंडों और उपयुक्त मानक सूचकांक से करें।
- **समीक्षा:** हर तिमाही के प्रतिफल से घबराकर फैसला न लें, लेकिन फंड की रणनीति और निवेश की गुणवत्ता पर नजर बनाए रखें।

तीन साल में दिखने लगता है रणनीति का असर :

फाइनेंशियल एक्सप्रेस की 24 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, तीन साल के आधार पर कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत वार्षिक चक्रवृद्धि प्रतिफल लगभग 12 प्रतिशत रहा, जबकि मध्य प्रतिफल करीब 13.2 प्रतिशत बताया गया। इसके मुकाबले लार्ज-कैप फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लगभग 9.3 प्रतिशत रहा। ये आंकड़े संबंधित अवधि में कॉन्ट्रा फंड के बेहतर प्रदर्शन की ओर संकेत करते हैं, लेकिन इन्हें भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं समझना चाहिए।

पांच साल में उभर सकती है बढ़त

कॉन्ट्रा निवेश की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें फंड मैनेजर बाजार की तत्कालीन पसंद के बजाय भविष्य की संभावनाओं पर दांव लगाता है। किसी उपेक्षित कंपनी के शेयर में निवेश करने के बाद बाजार को उसकी वास्तविक क्षमता पहचानने में कई साल लग सकते हैं। इस दौरान शेयर का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है और निवेशक का धैर्य डगमगा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल की अवधि में कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लार्ज-कैप फंडों के मुकाबले लगभग दोगुना रहा है। इससे संकेत मिलता है कि इस निवेश रणनीति को परिणाम देने के लिए पर्याप्त समय की जरूरत होती है। हालांकि, यह निष्कर्ष रिपोर्ट में दी गई संबंधित अवधि के आंकड़ों पर आधारित है। अलग-अलग समय में परिणाम बदल सकते हैं। इसलिए कॉन्ट्रा फंड में निवेश करने वालों के लिए तीन से पांच साल या उससे अधिक का नजरिया उपयोगी हो सकता है। लेकिन लंबी अवधि का चुनाव भी नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता।



एक साल में नुकसान भी कम नहीं

कॉन्ट्रा फंड की संभावनाओं के साथ उसके जोखिम को समझना भी जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल के आधार पर इस श्रेणी का प्रतिफल लगभग 8 प्रतिशत नकारात्मक रहा। यह गिरावट लार्ज-कैप फंडों के प्रदर्शन के आसपास थी। इससे स्पष्ट होता है कि कॉन्ट्रा फंड भी बाजार की कमजोरी से अछूते नहीं हैं। दरअसल, बाजार जिन कंपनियों को पसंद नहीं कर रहा होता है, उनमें निवेश करने का अर्थ यह भी है कि निवेशक को कुछ समय तक कमजोर प्रदर्शन झेलना पड़ सकता है। यदि कंपनी का कारोबार उम्मीद के मुताबिक नहीं सुधरता, तो नुकसान लंबा खिंच सकता है। इसलिए केवल इस आधार पर निवेश करना उचित नहीं कि कोई फंड हालिया गिरावट के दौरान बेहतर टिका रहा है।

पोर्टफोलियो में कितनी हो हिस्सेदारी

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, कॉन्ट्रा फंड को पूरे निवेश पोर्टफोलियो का विकल्प बनाने के बजाय विविधीकृत निवेश व्यवस्था के एक हिस्से के रूप में देखना अधिक व्यावहारिक है। निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि के अनुसार इसमें सीमित राशि लगा सकते हैं। जिन लोगों को निकट भविष्य में पैसे की जरूरत है या जो बाजार में उतार-चढ़ाव से घबरा जाते हैं, उनके लिए यह श्रेणी उपयुक्त नहीं हो सकती।

निवेश बनाए रखें

कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकते हैं, जो बाजार की अस्थायी निराशा के पीछे छिपे अवसर तलाशना चाहते हैं और लंबी अवधि तक निवेश बनाए रख सकते हैं। लेकिन बेहतर प्रतिफल की संभावना के साथ जोखिम भी जुड़ा है। इसलिए निवेश का फैसला केवल हालिया प्रदर्शन देखकर नहीं, बल्कि वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम सहने की क्षमता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।



बच्चों को बचपन से सिखाएं पैसे की समझ, रहेंगे आर्थिक रूप से मजबूत

- छोटी-छोटी बचत की आदतें बनाएंगी जिम्मेदार नागरिक
- खर्च और फैसले लेने का सलीका सिखाना भी है जरूरी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का बड़ा हिस्सा उनकी जरूरतें पूरी करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने में बीतता है। खिलौनों से लेकर मोबाइल, महंगे कपड़ों और मनोरंजन तक, बच्चों की हर फरमाइश पूरी करने की कोशिश की जाती है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी चीज से वंचित न रहें। लेकिन इस कोशिश में अक्सर एक जरूरी सबक पीछे छूट जाता है। पैसे की कीमत और उसका सही इस्तेमाल। आर्थिक रूप से मजबूत भविष्य की नींव केवल अच्छी कमाई से नहीं, बल्कि बचपन में विकसित हुई वित्तीय समझ से भी पड़ती है। इसलिए बच्चों को पैसे का महत्व समझाना, खर्च करने में विवेक सिखाना और बचत की आदत विकसित करना उनकी परवरिश का अहम हिस्सा होना चाहिए।

1. बिना पैसे खर्च किए भी खुश रहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि खुशी का हर जरिया बाजार से नहीं खरीदा जा सकता। परिवार के साथ समय बिताना, घर में मिलकर खाना बनाना, खेलना, किताबें पढ़ना और पार्क में घूमना भी आनंद के अच्छे साधन हैं। यदि बच्चे हर गतिविधि को किसी खरीदारी से जोड़कर देखेंगे, तो उनके मन में यह धारणा बन सकती है कि मनोरंजन के लिए पैसा खर्च करना अनिवार्य है। माता-पिता को अपनी दिनचर्या में ऐसे अवसर शामिल करने चाहिए, जिनमें बिना अतिरिक्त खर्च के भी परिवार खुशियां साझा कर सके।

2. हर मौके पर उपहार देना जरूरी नहीं

जन्मदिन, त्योहार, रिश्तेदारों से मुलाकात या किसी उपलब्धि पर उपहार देने की परंपरा आम है। उपहार देना गलत नहीं है, लेकिन इसे हर अवसर की अनिवार्यता बना देना उचित नहीं। बच्चों को समझना चाहिए कि किसी से मिलने जाना, उसके साथ समय बिताना और उसका हालचाल पूछना भी स्नेह जताने के महत्वपूर्ण तरीके हैं। हर मुलाकात में कुछ खरीदकर ले जाने की आदत अनावश्यक खर्च बढ़ा सकती है। माता-पिता स्वयं भी इस सोच को अपनाएं कि रिश्तों की मजबूती महंगे उपहारों से नहीं, बल्कि समय, सम्मान और अपनापन देने से बढ़ती है।

3. हर काम के बदले इनाम देने से बचें

बच्चों को घर के छोटे-मोटे कामों में शामिल करना अच्छी आदत है। हर काम के बदले पैसे या कोई उपहार देना सही तरीका नहीं है। यदि बच्चा अपना सामान व्यवस्थित करता है, किसी की मदद करता है या घर के सामान्य कामों में हाथ बंटाता है, तो उसे परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। हर अच्छे व्यवहार के बदले इनाम मिलने पर बच्चा यह सोच सकता है कि बिना किसी लाभ के काम करना जरूरी नहीं है। हालांकि, उम्र के अनुसार विशेष कामों के लिए सीमित प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

4. खरीदारी के नियम माता पिता मिलकर तय करें

बच्चों की हर मांग पूरी करना प्यार का प्रमाण नहीं है। कई बार माता-पिता किसी वस्तु के लिए मना करते हैं, लेकिन परिवार का दूसरा सदस्य उनकी बात काटकर वही चीज दिला देता है। इससे बच्चा सीमाओं को समझने के बजाय अलग-अलग लोगों से अपनी मांग मनवाना सीख सकता है। इसलिए माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच बच्चों के खर्च को लेकर स्पष्ट सहमति होनी चाहिए। दादा-दादी या नाना-नानी का स्नेह भी महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें बच्चों के लिए तय आर्थिक नियमों का सम्मान करना चाहिए।

5. जरूरत और चाहत के बीच अंतर बताएं

वित्तीय समझ विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका बच्चों को जरूरत और चाहत के बीच अंतर सिखाना है। भोजन, पढ़ाई की सामग्री और जरूरी कपड़े आवश्यकताएं हैं, जबकि नया खिलौना, महंगा खेल या बार-बार बदलने वाला इलेक्ट्रॉनिक सामान इच्छा की श्रेणी में आ सकता है। उम्र के अनुसार बच्चों को उदाहरण देकर यह अंतर समझाया जा सकता है। यदि उनके पास सीमित राशि है, तो उन्हें दो विकल्पों में से एक चुनने को कहें। उदाहरण के लिए, वे उस पैसे से कोई खिलौना खरीद सकते हैं या कुछ सप्ताह बचत करके अधिक उपयोगी वस्तु ले सकते हैं।

6. भावनात्मक दबाव में खरीदारी न करें

कई बार माता-पिता काम में व्यस्त रहने या बच्चों के साथ कम समय बिता पाने के कारण अपराधबोध महसूस करते हैं। इसकी भरपाई के लिए वे बच्चों को महंगे उपहार देते हैं या उनकी हर मांग पूरी कर देते हैं। इसी तरह, गलती करने या गुस्से में डांटने के बाद भी कुछ माता-पिता उपहार देकर स्थिति संभालने की कोशिश करते हैं। यह तरीका बच्चों को गलत संदेश दे सकता है कि नाराजगी, गलती या भावनात्मक दूरी को खरीदारी से दूर किया जा सकता है। बेहतर होगा कि माता-पिता बच्चों से खुलकर बात करें, उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं और गलती होने पर उसे स्वीकार कर सुधार करें। पैसे के बजाय संवाद और व्यवहार को महत्व देना ज्यादा प्रभावी है।

7. छोटे आर्थिक फैसले लेने का अवसर दें

बच्चों को जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें उम्र के अनुरूप छोटे फैसले लेने देना चाहिए। खरीदारी के समय उन्हें तय बजट में से सामान चुनने दें। जेबखर्च देते हैं तो उसके कुछ हिस्से को खर्च, कुछ को बचत और जरूरत पड़ने पर कुछ को दूसरों की मदद के लिए अलग रखने की आदत डालें। बड़े बच्चों को बैंक खाते, बचत योजनाओं, ब्याज व चक्रवृद्धि वृद्धि जैसी अवधारणाओं की शुरुआती जानकारी भी दी जा सकती है। उन्हें यह समझाएं कि छोटी बचत भी समय के साथ बड़ी राशि बन सकती है।

जरूरत के समय पीपीएफ या पर्सनल लोन, कौन है बेहतर

ब्याज दर से लेकर चुकाने की अवधि तक समझें दोनों विकल्पों का अंतर

कम ब्याज के साथ भुगतान की शर्तों पर भी दें ध्यान

बिजनेस डेस्क

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है।

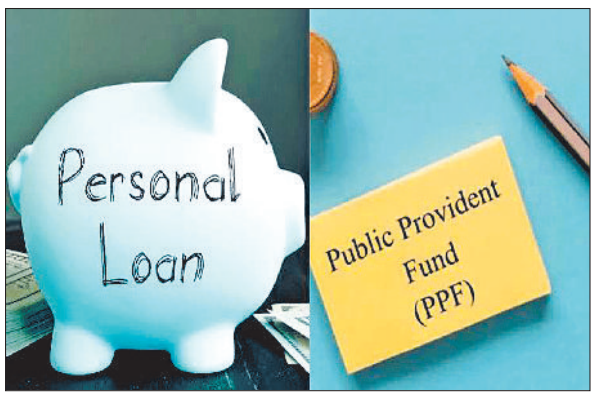
अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर सबसे बड़ी चुनौती होती है कि रकम कहां से जुटाई जाए और उस पर कितना ब्याज चुकाना पड़ेगा। ऐसे समय में बैंक से पर्सनल लोन लेना एक आम विकल्प है, लेकिन यदि आपका सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ खाता है तो उससे भी कर्ज लिया जा सकता है। दोनों विकल्पों में ब्याज दर, कर्ज की सीमा और भुगतान की अवधि का बड़ा अंतर है। इसलिए केवल कम ब्याज देखकर फैसला करने के बजाय अपनी जरूरत और भुगतान क्षमता को समझना जरूरी है।

ब्याज दर में बड़ा अंतर

पीपीएफ खाते पर मिलने वाले कर्ज का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी कम ब्याज दर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस पर सालाना एक प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। हालांकि, मूल रकम समय पर नहीं चुकाने पर बकाया राशि पर ब्याज की दर बढ़कर छह प्रतिशत सालाना हो सकती है। इसलिए कम ब्याज का लाभ तभी मिलेगा, जब कर्ज की शर्तों का पालन किया जाए। दूसरी ओर, पर्सनल लोन की ब्याज दर बैंक, वित्तीय कंपनी, ग्राहक के क्रेडिट स्कोर और अन्य पात्रता शर्तों पर निर्भर करती है। यह सामान्यतः पीपीएफ लोन से काफी अधिक हो सकती है। कर्ज लेने से पहले ब्याज दर के साथ प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क भी जांचने चाहिए।

कितनी रकम मिलेगी

पीपीएफ से मिलने वाले कर्ज की सीमा खाते में मौजूद पात्र राशि और योजना के नियमों पर निर्भर करती है। सामान्य नियम के अनुसार, संबंधित आवेदन वाले वर्ष से पहले के दूसरे वित्त वर्ष के अंत में खाते में मौजूद पात्र बैलेंस का अधिकतम 25 प्रतिशत तक कर्ज मिल सकता है। इसके लिए खाते की अवधि और अन्य पात्रता शर्तें भी पूरी करनी होती हैं। पर्सनल लोन में मिलने वाली रकम ग्राहक की आय, नौकरी या कारोबार, क्रेडिट हिस्ट्री और बैंक की नीतियों के आधार पर तय होती है। यदि अधिक रकम की जरूरत है और पीपीएफ खाते से मिलने वाला कर्ज पर्याप्त नहीं है, तो पर्सनल लोन उपयोगी विकल्प हो सकता है।



भुगतान की अवधि भी समझें

पीपीएफ लोन में मूल रकम चुकाने के लिए 36 महीने यानी तीन साल तक का समय मिलता है। इसके बाद ब्याज चुकाने के लिए भी योजना के नियमों का पालन करना होता है। भुगतान में देरी होने पर ब्याज का बोझ बढ़ सकता है। पर्सनल लोन में आम तौर पर हर महीने समान किस्त यानी ईएमआई चुकानी होती है। इसकी अवधि एक साल से लेकर कई साल तक हो सकती है। लंबी अवधि चुनने से मासिक किस्त कम हो सकती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक चुकाना पड़ सकता है। इसलिए केवल कम ईएमआई देखकर लंबी अवधि का विकल्प नहीं चुनना चाहिए।

किस स्थिति में कौन सा विकल्प बेहतर?

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है। कितनी रकम चाहिए, कर्ज कितने समय में चुकाया जा सकेगा और सभी शुल्क जोड़ने के बाद कुल भुगतान कितना होगा। कम ब्याज वाला विकल्प तभी बेहतर है, जब उसकी भुगतान शर्तें आपकी आर्थिक स्थिति के अनुकूल हों।

दस साल में मिडकैप ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न, जोखिम भी कम नहीं

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के सामने अक्सर यह सवाल रहता है कि म्यूचुअल फंड की किस श्रेणी में पैसा लगाने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है। कोई ज्यादा कमाई की उम्मीद में मिडकैप फंड चुनता है तो कोई अपेक्षाकृत बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश के लिए लार्जकैप को प्राथमिकता देता है। वहीं, फ्लेक्सीकैप फंड में निवेश करने वालों को बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का विकल्प मिलता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की सितंबर 2026 की रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच और दस साल के औसत सालाना रिटर्न में मिडकैप फंड सबसे आगे रहे। हालांकि, अधिक रिटर्न का अर्थ यह नहीं है कि हर निवेशक के लिए यही सबसे अच्छा विकल्प है।

पांच और दस साल का रिटर्न कितना रहा?

आईसीआरए एनालिटिक्स के म्यूचुअल फंड आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 तक की अवधि में तीनों श्रेणियों का औसत सालाना रिटर्न इस प्रकार रहा।

फंड श्रेणी	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल
लार्जकैप	3.78%	8.05%	7.20%	10.72%
मिडकैप	5.24%	14.22%	13.41%	14.80%
फ्लेक्सीकैप	0.91%	10.33%	9.38%	12.48%

मिडकैप का औसतन रिटर्न 5 साल में 13.41%

आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड ने पांच साल में औसतन 13.41 प्रतिशत और दस साल में 14.80 प्रतिशत सालाना रिटर्न दिया। फ्लेक्सीकैप का रिटर्न क्रमशः 9.38 और 12.48 प्रतिशत रहा। लार्जकैप फंड पांच साल में 7.20 प्रतिशत और दस साल में 10.72 प्रतिशत के औसत सालाना रिटर्न पर रहे। इस तरह लंबी अवधि के प्रदर्शन में मिडकैप ने दोनों श्रेणियों को पीछे छोड़ा।

मिडकैप में ज्यादा कमाई की संभावना क्यों?

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।



लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थापित कंपनियां

लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों का कारोबार व्यापक और संचालन अपेक्षाकृत मजबूत हो सकता है। जो निवेशक छोटी कंपनियों के उतार-चढ़ाव से असहज होते हैं, वे इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, लार्जकैप का अर्थ पूंजी की सुरक्षा नहीं है। शेयर बाजार में गिरावट आने पर बड़ी कंपनियों के शेयर भी टूट सकते हैं और फंड का मूल्य घट सकता है। पांच और दस साल के औसत रिटर्न में इस श्रेणी का प्रदर्शन मिडकैप तथा फ्लेक्सीकैप से पीछे रहा।

फ्लेक्सीकैप में निवेश की अधिक स्वतंत्रता

फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक नियामकीय नियमों के तहत बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार की परिस्थितियों और कंपनियों की संभावनाओं के अनुसार निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा मिलती है। इस श्रेणी ने पांच और दस साल के औसत रिटर्न में लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मिडकैप से पीछे रही। यह जरूरी नहीं कि हर फ्लेक्सीकैप फंड का जोखिम या रिटर्न समान हो। उसका प्रदर्शन इस बात पर भी निर्भर करता है कि प्रबंधक ने किन कंपनियों और क्षेत्रों में कितना निवेश किया है।

सितंबर की गिरावट ने जोखिम भी दिखाया

लंबी अवधि के बेहतर रिटर्न के बावजूद सितंबर 2026 में तीनों श्रेणियों का औसत प्रदर्शन नकारात्मक रहा। लार्जकैप फंड में औसतन 5.87 प्रतिशत, मिडकैप में 6.04 प्रतिशत और फ्लेक्सीकैप में 5.03 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि लंबी अवधि में अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेणी भी किसी महीने में बड़ी गिरावट झेल सकती है। इसलिए निवेशक को यह नहीं मानना चाहिए कि मिडकैप ने दस साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है तो वह आगे भी हर परिस्थिति में सबसे बेहतर रहेगा।

निवेशकों का भरोसा किस श्रेणी पर?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सितंबरके आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड में 7,835 करोड़ का शुद्ध निवेश आया। अगस्त में यह राशि 6,989 करोड़ थी। फ्लेक्सीकैप में शुद्ध निवेश 6,702 करोड़ रहा, जो अगस्त के 5,059 करोड़ रुपये से अधिक था। लार्जकैप फंड में सितंबर में 859 करोड़ का शुद्ध निवेश आया, जबकि अगस्त में 1,147 करोड़ की शुद्ध निकासी हुई थी। 30 सितंबर 2026 को फ्लेक्सीकैप फंड की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 5.88 लाख करोड़ रुपये, मिडकैप की 5.14 लाख करोड़ रुपये और लार्जकैप की 3.90 लाख करोड़ रुपये थीं।

खबर संक्षेप

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ां में शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर को किया जाएगा। इस वर्ष विद्यालय में कक्षा 6 की 80 सीटों के लिए कुल 3096 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। प्राचार्य ललित कालड़ा ने बताया कि यह प्रवेश परीक्षा सिरसा जिले के विभिन्न ब्लॉकों में स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों / विद्यालयों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अगस्त 2026 में पूरी हो चुकी है और सभी आवेदकों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं।छात्र आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

फर्जी दस्तावेजों से लोन लेने का आरोपी काबू

फतेहाबाद। आर्थिक अपराध टीम ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहन पर 18 लाख 21 हजार रुपये का लोन हड़पने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान संजय कुमार पुत्र रूली राम निवासी गांव भूथन खुर्द के रूप में हुई है। रूली राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसने अपने वाहन पर लोन लेने के लिए हिसार स्थित एक निजी फाइनेंस कंपनी में आवेदन किया था। इस प्रक्रिया के दौरान कंपनी से जुड़े एक व्यक्ति ने उससे विभिन्न दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए और लोन की सिक्योरिटी के नाम पर पांच हस्ताक्षरयुक्त खाली चेक भी हासिल कर लिए।

निशुल्क नेत्र जांच, आप्रेशन शिविर 3 नवंबर को

सिरसा। श्री बिश्नोई सभा द्वारा बिश्नोई धर्मशाला 3 नवंबर को निशुल्क नेत्र जांच व आप्रेशन शिविर लगाया जाएगा। सभा के सचिव ओपी बिश्नोई ने बताया कि इस शिविर में सर्वसमाज का कोई भी व्यक्ति आकर अपनी आंखों की जांच करवा सकता है। कैंप में उत्तर भारत के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ व एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के पूर्व नेत्र चिकित्सक डॉ. बलराम जलंधरा मरीजों की आंखों की जांच ऑटोमेटिक जापानी कंप्यूटर द्वारा कर उन्हें उपचार के साथ-साथ उचित परामर्श देंगे। जांच में मोतियाबिंद से ग्रस्त पाए जाने वाले मरीजों का ऑप्रेशन फीको मशीन द्वारा बिना मशीन व बिना टांके के सफेद मोतिया का लैंस वाला ऑप्रेशन सभा द्वारा निशुल्क करवाया जाएगा।

काका सिंह लधुवास जिला प्रधान नियुक्त

रतिया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य काका सिंह लधुवास को शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के फतेहाबाद जिला प्रधान चुना गया है। इस संबंध में शिरोमणि अकाली दल हरियाणा की मीटिंग बीबी अमरजीत कौर बाड़ा, सदस्य शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर की देखरेख व अकाली नेता हरपाल सिंह अहरवां और सुखसागर सिंह हिसार कोर कमेटी सदस्य हरियाणा यूनिट की अध्यक्षता में हुई। इसमें टोहाना, बीघड़, भानीखेड़ा, रतिया आदि के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। काका सिंह लधुवास को सर्वसम्मति से फतेहाबाद जिले का प्रधान चुना गया। नरेंद्र सिंह को महासचिव चुने जाने पर बधाई दी।

स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में दो महान विभूतियों के जीवन पर प्रकाश डाला गया तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर याद किया गया। शिक्षक विनोद कुमार ने बताया कि जब 1947 में देश आजाद हुआ तब देश 562 से अधिक रियासतों में बंटा था और कई रियासतें अलग रहना चाहती थीं। सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से सभी रियासतों को एकीकृत कर अखंड भारत का निर्माण किया।

चुनाव हारने से हताश कांग्रेस और विपक्ष फैला रही एसआईआर पर झूठ

आज रोहतक पदयात्रा में देंगे कांग्रेस के दुष्प्रचार का जवाब : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

चुनावों में लगातार मिल रही हार से हताश कांग्रेस और विपक्ष एसआईआर को लेकर जनता के बीच सफेद झूठ और भ्रम फैला रहे हैं। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने और चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का एक सामान्य प्रशासनिक जरिया है।

यह बात जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही।कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हर चुनाव से पहले मतदाता सूचियों को अपडेट करने, मृत या फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने और नए पात्र युवाओं के नाम जोडऩे की प्रक्रिया लंबे समय से चली आ रही है। कांग्रेस के शासनकाल में भी कई बार मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया, लेकिन उस समय कांग्रेस ने कभी इस पर सवाल खड़े नहीं किए। उन्होंने सवाल दागा, यदि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए काम किया जा रहा है, तो विपक्ष को इसमें क्या आपत्ति है। सच्चाई यह है कि विपक्ष आज तक किसी भी अदालत या चुनाव आयोग के समक्ष ऐसा एक भी सबूत पेश नहीं कर पाया, जिससे यह साबित हो सके कि किसी वैध मतदाता का नाम गलत तरीके से काटा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार मिल रही चुनावी हार से हताश होकर विपक्ष अब जनता के बीच ठोस मुद्दे उठाने के बजाय झूठ और अफवाहों का सहारा ले रहा है।



फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो: हरिभूमि

दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देंगे

मंत्री गंगवा ने बताया कि विपक्ष के इस झूठे एजेंडे और दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए आगामी 1 नवंबर को रोहतक में एक विशाल पदयात्रा व महारैली का आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन मुख्य रूप से शिरकत कर जनसभा को संबोधित करेंगे। पत्रकार वार्ता में मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कहा कि फतेहाबाद जिले से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और आम नागरिक रोहतक की इस ऐतिहासिक पदयात्रा में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, जिला महामंत्री विकास ललोदा, जिला मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



फतेहाबाद। श्री सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का स्वागत करते आश्रम संचालक। फोटो: हरिभूमि

अपना घर आश्रम पहुंचे कैबिनेट मंत्री गंगवा

बेसहारा बुजुर्गों को बांटे फल गोमाता को खिलाया चारा

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने फतेहाबाद में नेशनल हाईवे बाईपास पर स्थित श्री सतगुरू कृपा अपना घर मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम का दौरा किया। डॉ. स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में संचालित इस आश्रम परिसर में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री का आश्रम के प्रमुख सेवादार विनोद तायल व अशोक भुक्कर द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। कैबिनेट मंत्री ने श्री सद्गुरू कृपा अपना घर, श्रीकृष्ण प्रणामी वृद्धाश्रम और महिला आश्रम का अवलोकन किया। वहां रह रहे मंदबुद्धि, बेसहारा बुजुर्गों और महिलाओं से मिलकर मंत्री ने उनका कुशलक्षेम जाना, उनसे आत्मीय बातचीत की और उन्हें फल वितरित किए।

आश्रम की अनुकरणीय व्यवस्थाओं और बेसहारा लोगों के प्रति सेवा भाव को देखकर कैबिनेट मंत्री अभिभूत हो उठे। उन्होंने कहा, यहां आकर मन को असीम शांति और आत्मिक खुशी मिली है। वास्तव में नर सेवा ही नारायण सेवा है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े निसहाय लोगों और बुजुर्गों की सेवा करना ही दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है। जिस आत्मीयता और स्वच्छता के साथ यह संस्थान सेवा कार्य कर रहा है, वह अत्यंत वंदनीय और अनुकरणीय है। आश्रम के अवलोकन के बाद कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा श्रीकृष्ण प्रणामी गौवंश अनुसंधान संस्थान एवं गौ अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने बीमार व लाचार गौवंश की चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री गंगवा ने श्रद्धापूर्वक गौमाता को हरा चारा खिलाया और गौवंश की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर आश्रम के प्रमुख सेवादार विनोद तायल व अशोक भुक्कर ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अशोक गर्ग, भागीरथ अग्रवाल, नरेन्द्र सिंगला, सुशील बंसल, रामनिवास बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेशन जज व सीजेएम भी पहुंचे आश्रम

इनके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीएस वधवा तथा सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव सुयशा जावा ने विशेष रूप से शिरकत की। आश्रम परिसर में आगमन पर संस्था के संचालक व प्रमुख समाजसेवी विनोद तायल, अशोक भुक्कर एवं बाली मित्तल ने न्यायिक अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। सबसे पहले सेशन जज जीएस वधवा एवं सीजेएम सुयशा जावा ने श्री कृष्ण प्रणामी महिला आश्रम का दौरा किया और वहां रह रही महिलाओं से आत्मीय बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने श्री सद्गुरू कृपा अपना घर व वृद्धाश्रम में रह रहे दिव्यांग, मंदबुद्धि एवं बेसहारा बुजुर्गों से मुलाकात की तथा आश्रम द्वारा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। न्यायिक अधिकारियों ने इसके बाद परिसर में स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गौवंश अनुसंधान संस्थान एवं गौ अस्पताल का भी गहनता से अवलोकन किया।

जेएनवी प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को जिले में 2351 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

- परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अपना प्रवेश पत्र तथा वैध पहचान पत्र साथ लेकर आना होगा

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा छठी में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के प्रवेश पत्र नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जारी कर दिए गए हैं। यह चयन परीक्षा 28 नवंबर को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को सुबह 10.30 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अपना प्रवेश पत्र तथा वैध पहचान पत्र साथ लेकर आना होगा। बिना प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिले में परीक्षा के सफल एवं व्यवस्थित संचालन के लिए जिला के सभी छह खंडों में कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर कुल 2351 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

ये बने परीक्षा केंद्र

भट्टू कलां खंड में बालाजी पब्लिक स्कूल फतेहाबाद रोड तथा पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भट्टू कलां को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। भूना खंड में न्यू सनराइज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ढाणी सांचला रोड तथा विश्वास नव शारदा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नाढोड़ी रोड में परीक्षा आयोजित होगी। फतेहाबाद खंड में एसबीपी डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, बीघड़ रोड, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, पुलिस लाइन तथा एपेक्स पब्लिक स्कूल, सतीश कॉलोनी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जाखल खंड में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाखल मंडी में परीक्षा होगी। रतिया खंड में डीएवी पब्लिक स्कूल, टोहाना रोड तथा मदर इंडिया कॉन्वेंट स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं टोहाना खंड में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, डांगरा रोड तथा केएम सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बस स्टैंड के नजदीक में परीक्षा आयोजित की जाएगी।



सेवानिवृत्ति पर तीन पुलिसकर्मियों को दी विदाई

सिरसा। पुलिस लाइन में शनिवार को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए तीन पुलिसकर्मियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसपी दीपक सहारण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के परिजन और विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसपी दीपक सहारण ने कहा कि पुलिस की नौकरी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि त्याग, अनुशासन और जनसेवा का सशक्त माध्यम है। पुलिसकर्मी अपने परिवार से दूर रहकर सर्दी, गर्मी और बरसात की परवाह किए बिना आमजन की सुरक्षा के लिए दिन-रात ड्यूटी निभाते हैं। कई बार उन्हें परिवार को पर्याप्त समय देने का अवसर भी नहीं मिल पाता, लेकिन वे अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटते। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने अपने जीवन के बहुमूल्य वर्ष पुलिस विभाग को समर्पित किए हैं। उनकी निष्ठा, मेहनत और सेवाभाव विभाग के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से सामाजिक जीवन में भी सक्रिय रहकर समाजहित के कार्यों में बढ़-चढकर भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर जगबीर सिंह, ऑनरेरी निरीक्षक सुभाष चंद्र तथा सब इंस्पेक्टर ताराचंद को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। एसपी ने तीनों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। समारोह में डीएसपी राजवीर सिंह, डीएसपी सुखवीर सिंह, डीएसपी सुभाष चंद्र, जिला कल्याण निरीक्षक इंस्पेक्टर अनिल कुमार, लाइन प्रबंधक सहित अनेक पुलिसकर्मी व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन मौजूद रहे।



अनाज मंडी में पदाधिकारियों और व्यापारियों से मिले अजय सिंह चौटाला, जानी समस्याएं

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने सिरसा की अनाज मंडी में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं मंडी के व्यापारियों से हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग के प्रतिष्ठान पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान व्यापारियों ने कहा कि व्यापारी वर्ग प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। व्यापारियों को अपने कारोबार के संचालन में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बाजारों में मूलभूत सुविधाओं, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अजय चौटाला ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को समझना तथा उनके समाधान के लिए आवाज उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग की मेहनत से ही बाजारों में रौनक बनी रहती है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। इस मौके व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हीरालाल शर्मा, कीर्ति गर्ग, भीम सिंगला, हेमंत गुप्ता, अंजनी कनोडिया, रामकृष्ण गोयल, कंवलजीत सिंह, पवन गुप्ता, देवेंद्र डागा, महेश सिंगला, केशव टांटिया, हीरा लाल गर्ग, नरेश जिंदल नीटू, नरेश जिंदल, प्रवीण महिपाल, अमर सिंह भाटिवाल, प्रेम शर्मा, महेश कालड़ा सहित अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

हरियाणा सुपर-100 का जागरूकता अभियान 5 नवंबर से

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सभी खंडों के विद्यालयों की होगी भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मिशन बुनियाद एवं हरियाणा सुपर-100 के सत्र 2027 के लिए जागरूकता अभियान एवं पंजीकरण प्रक्रिया 5 नवंबर 2026 से शुरू होगी। इस बार जिले में व्यापक स्तर पर स्कूल एवं जिला स्तरीय जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। जिला विज्ञान विशेषज्ञ एवं मिशन बुनियाद के जिला नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि मिशन बुनियाद कार्यक्रम वर्ष 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा विकल्प फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि कक्षा सातवीं में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले तथा वर्तमान में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी मिशन बुनियाद के लिए पात्र हैं। इसके अंतर्गत तीन चरणों में चयन परीक्षा होती है।

जिले में होगा जागरूकता कार्यक्रम

इस बार अलग-अलग खंडों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के स्थान पर एक जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी खंडों के सरकारी मिडिल, हाई एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम में पिछली कक्षा के परिणामों के आधार पर चयनित कक्षा आठवीं के दो टॉपर एवं कक्षा दसवीं के दो टॉपर, उनके अभिभावक, एक टीजीटी/पीजीटी शिक्षक तथा एक एसएमसी सदस्य शामिल होंगे।

पात्र विद्यार्थियों का पंजीकरण अनिवार्य

कक्षा सातवीं में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का मिशन बुनियाद के लिए तथा कक्षा नौवीं में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का हरियाणा सुपर-100 के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा। 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले इच्छुक विद्यार्थी भी स्वेच्छा से पंजीकरण कर सकते हैं। मिशन बुनियाद एवं सुपर-100 विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनके सपनों को नई उड़ान देने का सशक्त माध्यम हैं। सभी पात्र विद्यार्थी इस अवसर का लाभ उठाएं।

न्यूज डायरी



पटेल जयंती पर एकता, अखंडता व सुरक्षा की ली शपथ

सिरसा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को जिला पुलिस की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया। पुलिस लाइन सिरसा के प्रांगण में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। सभी पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान एसपी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर देश को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की मिसाल है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज में शांति, सद्भाव और कानून का राज कायम रखना है।



बीएड कॉलेज में विद्यार्थियों को दिलाई एकता की शपथ

फतेहाबाद। बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एनएसएस यूनिट एवं कम्युनिटी केयर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान महाविद्यालय में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जनक मेहता एवं उपप्राचार्य डॉ. गुंजन बजाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित सभी सदस्यों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाकर की गई। इस दौरान सभी ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा राष्ट्र के सामाजिक सद्भाव के लिए सदैव समर्पित रहने का दृढ़ संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात एनएसएस यूनिट के तत्वावधान में एक प्रभावकारी जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने तख्तियों और नारों के जरिए समाज को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।



रोल प्ले, लोक नृत्य स्पर्धा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

सिरसा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), डिंग द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेला ग्राउंड में जिला स्तरीय रोल प्ले एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन डाइट डीआरयू विंग प्रभारी डॉ. अनिल चावला एवं रोल प्ले एवं लोक नृत्य के जिला नोडल अधिकारी पवन कुमार की देखरेख में किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रवक्ता दलजीत सिंह, सुनील कुमार एवं विक्रम कुमार शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन किया। रोल प्ले प्रतियोगिता में आरोही मॉडल स्कूल झिड़ी की टीम ने प्रभावशाली एवं विचारोत्तेजक प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पंचायत भवन से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस तक रन फॉर यूनिटी

पटेल ने 562 रियासतों के एकीकरण किया : बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शनिवार को पंचायत भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पंचायत भवन से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस तक रन फॉर यूनिटी दौड़ आयोजित की गई, जिसमें स्कूली बच्चों, खिलाड़ियों और नर्सिंग स्टाफ सहित आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला बतौर मुख्य अतिथि व चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण, अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल, नगर परिषद सिरसा के चेयरमैन शांति स्वरूप, एसडीएम राजेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इसके अलावा ऐलनाबाद, रानियां, डबवाली व चोपटा में भी राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

सुभाष बराला ने सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व अद्वितीय था। देश की आजादी के बाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती 562 रियासतों में बंटे देश को एक सूत्र में पिरोने की थी। सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से इस चुनौती को स्वीकार किया और सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ किसानों के हितों के लिए भी संघर्ष किया। सांसद ने कहा कि गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा उनके महान व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान का प्रतीक है। इस प्रतिमा के निर्माण के लिए देशभर के गांवों से किसानों के खेतों की मिट्टी और खेती में उपयोग होने वाला लोहा एकत्रित किया गया था। हरियाणा में भी इस अभियान के तहत मिट्टी और लोहा एकत्रित कर गुजरात भेजा गया था। उन्हें इस अभियान में हरियाणा प्रदेश की स्टेट यूनिट का समन्वयक बनने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे गुजरात जाकर सरदार पटेल की प्रतिमा के दर्शन करें और उनके जीवन से प्रेरणा लें।





सिरसा। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी को रवाना करते सुभाष बराला तथा उपस्थित लोगों को संबोधित करते। फोटो: हरिभूमि

युवा देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें : यतींद्र सिंह

वहीं जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने युवाओं और बच्चों से आह्वान किया कि वे देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित ऐसे कार्यक्रम देशभक्ति और एकजुटता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला, वरिष्ठ भाजपा नेता रत्नलाल बामणिया, हनुमान कुंडू, अंबर मेहता, श्याम बजाज, अमर सिंह घोटिया, सुमन शर्मा, भावना शर्मा, सुमन सैनी, अंग्रेज सिंह ओलख, विष्णु शर्मा और सागर केहरवाला रहे।

खबर संक्षेप

राजकीय महाविद्यालय भूना में एबीवीपी इकाई गठित

भूना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से राजकीय महाविद्यालय भूना की नई इकाई की घोषणा की गई। इसमें स्नेहलता को इकाई अध्यक्ष और पंकज कुमार को इकाई मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा संगठन के विभिन्न दायित्वों के लिए विद्यार्थियों को नियुक्त किया गया। घोषित कार्यकारिणी में भाविका व श्रवण कुमार को उपाध्यक्ष, विवेक व हिम्मत को सहमंत्री, राजीव को एसएफडी संयोजक तथा आदित्य को एसएफडी सह संयोजक बनाया गया।

बड़ोपल बिजली कर्मचारियों की नई कार्यकारिणी गठित

रतिया। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बड़ोपल सब-डिवीजन इकाई का चुनाव 33 केवी बड़ोपल पावर हाउस परिसर में आपसी सहमति के साथ संपन्न हुआ। बैठक में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने सर्वसम्मति जताते हुए रामनिवास धारनियां को प्रधान तथा सुधीर जसू को उपप्रधान चुना। जिला अध्यक्ष धर्मपाल मडेरना ने सभी सदस्यों की सहमति से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की।

जिला में धान खरीद 3.96 लाख मीट्रिक टन के पार

फतेहाबाद। जिला में खरीफ खरीद सीजन 2026-27 के तहत धान की खरीद और उठान की प्रक्रिया लगातार जारी है। अब तक जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा कुल 3,96,612 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। वहीं, किसानों को उनकी फसल के एवज में 599.92 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। खरीदे गए धान में से 2,59,466 मीट्रिक टन का उठान पूरा हो चुका है, जो कुल खरीद का लगभग 65 प्रतिशत है।

15 दिवसीय गत्तका प्रशिक्षण शिविर आज से

रतिया। सिख मिशन हरियाणा द्वारा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग से शहीद अकाली बाबा फूला सिंह गतका अकादमी रतिया की ओर से श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व को समर्पित 15 दिवसीय गत्तका प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आज से 14 नवम्बर तक किया जा रहा है। यह शिविर सिख विरासत के संरक्षण तथा सिख मार्शल आर्ट गतका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुद्वारा श्री विश्वकर्मा साहिब फतेहाबाद रोड रतिया में आयोजित किया जाएगा।

पुलिस लाइन में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

फतेहाबाद। देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन फतेहाबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने तथा पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई।

गुरुद्वारा अंगीठा साहिब नथवान में 30 दिवसीय नाम सिमरन समागम एवं डाइट कैंप की शुरुआत

रतिया। क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब अंगीठा साहिब, नथवान में 30 दिवसीय नाम सिमरन समागम एवं प्राकृतिक डाइट कैंप का शुभारंभ किया गया। इस धार्मिक एवं स्वास्थ्यवर्धक समागम में मुख्य सेवादार के रूप में ऑस्ट्रेलिया से पहुंचे भाई गुरजीत सिंह जी विशेष रूप से शिरकत कर रहे हैं। समागम के प्रथम दिन भाई गुरजीत सिंह ने उपस्थित साध-संगत को नाम सिमरन का अभ्यास करवाया और कथा-विचारों के माध्यम से संगत को परमात्मा के नाम से जुडने की प्रेरणा दी। संगत को संबोधित करते हुए भाई गुरजीत सिंह ने कहा कि इंसान को हमेशा प्रभु के नाम का जप करना चाहिए और सत्कर्मों के मार्ग पर चलना चाहिए।

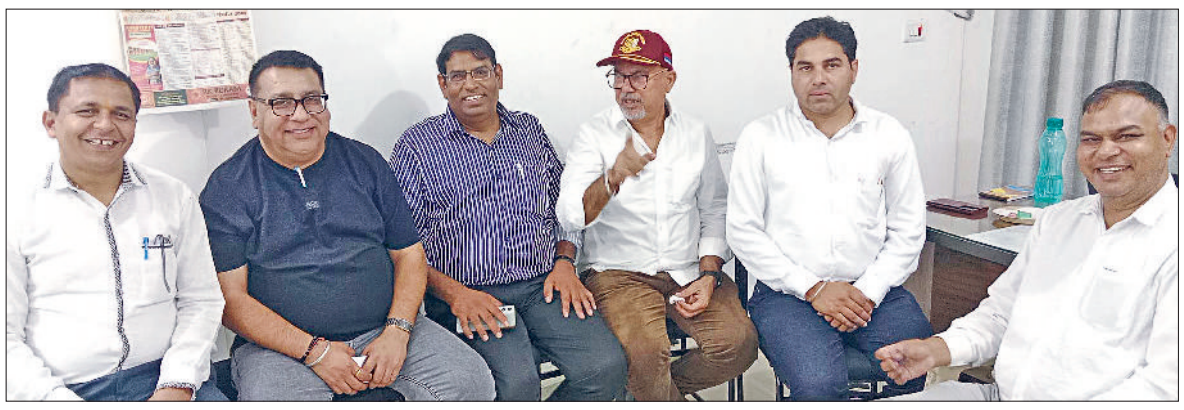
हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

जागो संस्था ने मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

प्राथमिक स्कूलों में खेलों की अनदेखी
8676 स्कूलों में पीटीआई नियुक्ति की मांग

खेल गतिविधियों के लिए अलग बजट और प्रत्येक स्कूल में एक एकड़ का मैदान उपलब्ध करवाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते जागो संस्था के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को शुरुआती स्तर पर तराशने के लिए प्राथमिक स्कूलों में ही शारीरिक शिक्षा की व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठी है। जागो संस्था ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मांग पत्र भेजकर हरियाणा के सभी 8676 प्राथमिक स्कूलों में शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की नियुक्ति करने की मांग की है। संस्था का कहना है कि बच्चों को केवल किताबी पढ़ाई तक सीमित रखने के बजाय शुरुआती कक्षाओं से ही खेलों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए स्कूलों में अध्यापकों की नियुक्ति के साथ खेल सुविधाओं और बजट की व्यवस्था करना भी जरूरी है।

8676 स्कूलों में प्रशिक्षण की व्यवस्था पर जोर

संस्था ने मांग पत्र में बताया कि प्रदेश में कुल 8676 प्राथमिक स्कूल हैं, जिनमें 1420 मॉडल प्राइमरी स्कूल भी शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में स्कूल होने के बावजूद प्राथमिक स्तर पर बच्चों को विभिन्न खेलों का नियमित प्रशिक्षण देने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। संस्था के अनुसार, खेल प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें निखारने का काम छोटी उम्र से ही शुरू होना चाहिए। प्राथमिक कक्षाओं में खेलों की बुनियादी जानकारी और प्रशिक्षण मिलने से बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी।

शुरुआत में अनुबंध आधार पर हो सकती है नियुक्ति

जागो संस्था ने सुझाव दिया कि प्राथमिक स्कूलों में शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की नियुक्ति चरणबद्ध तरीके से की जा सकती है। शुरुआत में खेल नर्सरियों की तर्ज पर अनुबंध आधार पर अध्यापकों को नियुक्त करने का विकल्प अपनाया जा सकता है। इससे स्कूलों में खेल गतिविधियां शुरू करने और बच्चों को नियमित प्रशिक्षण देने की दिशा में पहल की जा सकेगी। संस्था ने खेल गतिविधियों के संचालन के लिए अलग बजट निर्धारित करने की मांग भी की है। इस राशि से स्कूलों में खेल सामग्री, प्रशिक्षण और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। इसके अलावा, समय-समय पर खेल प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।

प्रत्येक स्कूल के लिए एक एकड़ जमीन की मांग

मांग पत्र में प्राथमिक स्कूलों के लिए कम से कम एक एकड़ जमीन उपलब्ध करवाने की मांग भी उठाई गई है। संस्था का कहना है कि खेल गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह होना जरूरी है। जिन ग्राम पंचायतों के पास जमीन उपलब्ध है, वहां प्राथमिक स्कूलों को जमीन आवंटित करने पर विचार किया जाए। इससे बच्चों को दौड़, विभिन्न आउटडोर खेलों और अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए उचित स्थान मिल सकेगा।

पदाधिकारियों ने उठाई मांग

मुख्यमंत्री को भेजे गए मांग पत्र पर जागो संस्था के प्रधान एवं स्टेट शिक्षक अवार्डी देवेंद्र दहिया, सचिव एवं स्टेट शिक्षक अवार्डी सेवा सिंह मुवाल, स्टेट शिक्षक अवार्डी राजकुमार सलेमगढ़ और अनूप सिंह, उपप्रधान प्रमोद बजाज, संरक्षक प्रदीप जांगड़ा एडवोकेट, रिछपाल तरड़, मिथलेश रोहिला, भारत गोयल और ब्राइट गोदारा के नाम शामिल हैं। संस्था ने सरकार से मांगों पर विचार कर प्राथमिक शिक्षा में खेलों को नियमित रूप से शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

एडीए बनने के बाद गांव पहुंचीं ममता गोदारा



भट्टूकलां। एडीए बनने के बाद गांव पहुंची ममता गोदारा का स्वागत करते सरपंच।

- ग्रामीणों और सरपंच ने पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

सहायक जिला न्यायवादी के पद पर चयनित होने के बाद गांव पीली मंदौरी की होनहार बेटी ममता गोदारा अपने संस्कार परिवार यानी संस्कार विद्यापीठ पहुंचीं। इस विशेष अवसर पर सरपंच धर्मवीर गोरछिया, संस्कार टीम और गांव के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर और पगड़ी भेंट कर उनका स्वागत किया। ममता के विद्यालय पहुंचने पर पूरे परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इसके साथ ही हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा, खेल, अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में आगे बढने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करना था। समारोह को संबोधित करते हुए सरपंच धर्मवीर गोरछिया ने ममता गोदारा को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि यह सफलता पूरे गांव तथा क्षेत्र के लिए गौरव के पल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रत्येक बेटी को ममता के संघर्ष, कड़ी मेहनत और सफलता से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनकी यह उपलब्धि अन्य युवाओं और बेटियों के लिए भी जीवन में आगे बढने का नया मार्ग प्रशस्त करेगी।

न्यूज डायरी



नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय में सामाजिक जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। प्रेस प्रवक्ता डॉ. कपिल कुमार सैनी ने बताया कि इस अवसर पर छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव, शिक्षा का महत्व, लैंगिक समानता, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया। छात्राओं ने अपने प्रभावशाली अभिनय एवं संवादों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को प्रस्तुत करते हुए युवाओं की सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।



राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली एकता-अखंडता की शपथ

सिरसा। शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। शुरूआत विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाने और कॉलेज परिसर में सफाई अभियान चलाने से हुई। इसके बाद प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर लघु फिल्म दिखाकर प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं जल संरक्षण, अपशिष्ट जल प्रबंधन, इको क्लब के सहयोग से स्वच्छता अभियान और पौधरोपण जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गई। ई-कचरा संग्रहण अभियान के तहत अनुपयोगी पुरानी वस्तुओं का निस्तारण किया गया।

पावरग्रिड ने वॉकाथॉन से दिया ईमानदारी का संदेश

फतेहाबाद। पावरग्रिड फतेहाबाद द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, नैतिकता एवं जवाबदेही के मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की कड़ी में पावरग्रिड फतेहाबाद के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा एक वॉकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें पावरग्रिड स्टाफ के साथ-साथ स्कूली बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से आमजन और समाज में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति अपनाने का सशक्त संदेश प्रसारित किया गया।

हरियाणा ग्रामीण महोत्सव का शुभारंभ

सिरसा। ग्रामीण महिलाओं के हुनर, उद्यमशीलता और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नाबार्ड द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय हरियाणा ग्रामीण महोत्सव का बाल भवन में शुभारंभ हुआ। नाबार्ड के उप महाप्रबंधक सतपाल चौधरी ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐसे आयोजन महिला स्वयं सहायता समूहों को सीधे बाजार से जोडना, उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना तथा ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए विपणन एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



सिरसा। दीवाली मेले में प्रस्तुति देते पंजाबी कलाकार।

श्रीमत सिटी सेंटर के दीवाली मेले पंजाबी कलाकारों ने बाधा समां

सिरसा। श्रीमत टेक्सवर्थ की ओर से डबवाली रोड स्थित श्रीमत सिटी सेंटर में आयोजित दीवाली मेले में पंजाबी कलाकारों ने समां बांध दिया। एक के बाद एक पंजाबी गीत, गिद्धा और भंगड़ा कार्यक्रम ने मेले में आए दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया। संस्थान की ओर से 28 अक्टूबर से 5 नवंबर तक दीवाली मेले का आयोजन किया जा रहा है। श्रीमत सिटी सेंटर परिसर में कारोबारियों को करीब 4 दर्जन स्टॉल लगाने के लिए निशुल्क स्थान उपलब्ध करवाया गया है। मेले में हैंडमेड वस्तुओं, हैंडलूम, गारमेंट, इलेक्ट्रोनिक, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल, मोम के उत्पाद, कच्ची घानी का तेल, मसाले, सजावट के फूल-पौधे व अन्य सजावट के सामानों की स्टॉल लगाई गई है। इस दस दिवसीय दीवाली मेले के तीसरे दिन पंजाबी कलाकारों की ओर से पंजाबी गीत प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर मनोरंजक सवाल-जवाब का भी दौर चला।

क्रेसंट स्कूल में मनाया हरियाणा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। कार्यक्रम में भाग ले रहे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते प्रधानाचार्या।

क्रेसंट स्कूल में आज हरियाणा दिवस बड़े उत्साह, उमंग और पारंपरिक रंगों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी विंग के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने हरियाणवी पारंपरिक वेशभूषा धारण कर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और लोक विरासत की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने हरियाणा के मानचित्र में अपनी रचनात्मकता के रंग भरकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा की लोक संस्कृति, पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना। ढोल, पारंपरिक दृश्य, हस्तनिर्मित गुडिया, हाथ के पंखे तथा आकर्षक सेल्फी प्रॉप्स ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रितु सिंधु ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को प्रत्येक गतिविधि में पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहना भी बेहद आवश्यक है। अपनी जड़ों से जुड़े रहकर ही बच्चे अपनी सांस्कृतिक पहचान को समझ सकते हैं और अपनी विरासत पर गर्व करना सीख सकते हैं।

पशुपालकों के लिए संजीवनी बनी डायल 1962 सेवा: सिहाग

सिरसा। सरकार द्वारा शुरू की गई डायल 1962 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट सेवा पशुपालकों के लिए एक महत्वपूर्ण जनहितकारी पहल साबित हो रही है। पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. ध्रुव सिहाग ने कहा कि पशु के बीमार होने पर समय पर उपचार बेहद महत्वपूर्ण है। इस सेवा के तहत पशु के बीमार होने, चोट लगने, दुर्घटना, प्रसव संबंधी समस्या या किसी भी आपात स्थिति में पशुपालकों को अब दूर के पशु अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती। एक टोल-फ्री कॉल पर मोबाइल वेटरिनरी यूनिट सीधे पशुपालक के घर या पशु के स्थान तक पहुंचकर आवश्यक जांच और उपचार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि पशुपालक टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल करके सेवा का लाभ उठा सकते हैं।



रतिया। कोच राजपाल पन्नू के साथ विजेता खिलाड़ी राघव।

राष्ट्रीय स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में राघव नहला ने जीता कांस्य पदक

रतिया। किंग्स मार्शल आर्ट्स अकादमी, रतिया के प्रतिभाशाली खिलाड़ी राघव नहला ने 70वीं राष्ट्रीय स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर हरियाणा प्रदेश और फतेहाबाद जिले का नाम रोशन किया है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राघव ने हरियाणा की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 29 राज्यों तथा सभी केंद्र शासित प्रदेशों से 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। राघव ने अपनी उत्कृष्ट तकनीक, कड़ी मेहनत और खेल कौशल का परिचय देते हुए शुरुआती दौर से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में तेलंगाना के खिलाड़ी को 2-0 से, राउंड ऑफ 16 में विद्या भारती के खिलाड़ी को 2-0 से तथा क्वार्टर फाइनल के बेहद कड़े व रोमांचक मुकाबले में पंजाब के खिलाड़ी को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और कांस्य पदक पक्का किया।

डॉ. नाजिया ने विद्यार्थियों को सिखाए शोध और अकादमिक लेखन के गुर

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा एम.कॉम. के विद्यार्थियों के लिए 'रिसर्च मेथडोलॉजी, स्ट्रक्चर एंड एकेडमिक राइटिंग' विषय पर एक विशेष एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध कार्य की विभिन्न प्रक्रियाओं, शोध की संरचना तथा अकादमिक लेखन की बारीकियों और मानकों से विस्तारपूर्वक अवगत करवाना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली की मार्केटिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नाजिया गेरा ने शिरकत की। अपने व्याख्यान में उन्होंने विद्यार्थियों को सही शोध पद्धति के चुनाव, शोध विषय के चयन, डेटा संग्रहण, डेटा विश्लेषण तथा अकादमिक लेखन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में गहन जानकारी दी।



फतेहाबाद। कॉलेज में मुख्य वक्ता डॉ. नाजिया गेरा का स्वागत करते स्टाफ सदस्य।

राष्ट्रीय एकता दिवस : फतेहाबाद, रतिया व टोहाना में गूंजा 'रन फॉर यूनिटी' का संदेश

युवाओं और अधिकारियों ने दौड़ लगाकर ली अखंडता की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। रन फॉर यूनिटी में भाग लेते नेता और अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला फतेहाबाद के तीनों प्रमुख उपमंडलों फतेहाबाद, रतिया और टोहाना में 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय से लेकर उपमंडल स्तर तक युवाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को दोहराया। फतेहाबाद में पंचायत भवन से एमएम कॉलेज तक जिला स्तरीय दौड़ का आयोजन किया गया, जिसे पूर्व विधायक दुड़ाराम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान डीसी डॉ. विवेक भारती और एसपी निकिता खट्टर सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों ने युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़ लगाई। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद देश की रियासतों का एकीकरण कर जिस अखंड भारत की नींव रखी, उसे संजोए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है।

विधायक ने तहसील परिसर से दिखाई हरी झंडी

रतिया। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रतिया उपमंडल में भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में रतिया के विधायक सरदार जरनैल सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम के आरंभ में सभी ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली। इसके बाद विधायक जरनैल सिंह ने तहसील परिसर से दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ में अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली बच्चों ने भाग लेकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। विधायक ने कहा कि सरदार पटेल का देश के प्रति अद्वितीय योगदान हमेशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर नायब तहसीलदार बलवान सिंह, डॉ. भरत सिंह, थाना प्रभारी प्रवीन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

टोहाना में निकाली गई 'रन फॉर यूनिटी'

टोहाना। उपमंडल टोहाना में राष्ट्रीय एकता दिवस पर अंबेडकर चौक से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा व चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया और जनसमूह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों का एकीकरण कर मजबूत भारत की नींव रखी थी। आज हमें जाति और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए।